" हे मेरी रानी, मेरी माँ, मैं सम्पूर्ण रूप से तेरा हूँ, और जो कुछ, मेरा है, सब तेरा है।

सर्मपण की सामान्य प्रार्थना

हे हमारी रानी और माता,

हम में से प्रत्येक जन ने अभी व्यक्तिगत रूप स्वयं को आपके प्रति समर्पित किया हैं और यह घोषणा की है, कि हम पूर्ण रूप से आपके ही हैं। अब, हम अपने इस छोटे से सर्मपण को बढ़ाना चाहते हैं और एक दल के रूप में आपको यह बताना चाहते हैं कि हमारी माता और रानी के रूप में आप हमारे लिए कितनी प्यारी हो।

सबसे पहले येसु की माँ और हमारी अपनी माता के रूप में हम आपका आदर करते हैं। हमें मालूम है, कि आपने हमारे लिए कितना किया है। आपके बच्चे होने के नाते हम आपसे प्रेम करना चाहते हैं, और विशेषकर येसु के प्रति आपकी निष्ठा और भक्ति को अपनाना चाहते हैं। आपने काना में विवाह के अवसर पर सेवकों से जो कहा था, वही आदेश हम भी बार-बार सुनते हैं, कि ''तुम वही करो, जो येसु तुमसे कहते हैं।'' हम में से हरेक जन आपके द्वारा प्रभु से कहे गए इन शब्दों को अपना बनाना चाहता है, ''तेरे वचन के अनुसार मेरे साथ होने दे।''

आप हमारी रानी हो, हम आपका आदर करते हैं, एलिजाबेथ ने आपकी प्रशंसा में कहा था, ''आप नारियों में धन्य हो।'' आपही वह विशेष जन हो, जिसे ईश्वर ने स्वर्ग में आरोहित करके महिमान्वित किया। हम अपनी सेना (लीजन) की रानी के रूप में आपको स्वीकार करते हैं। सैनिकों के रूप में हम विश्वभर में आपके पुत्र का राज्य फैलाना चाहते हैं। इस उद्देश्य से हम स्वयं को आपके प्रति समर्पित करते हैं। अपनी इच्छानुसार प्रेममय साधन के रूप में हमें प्रयोग कीजिए।

इसी उद्देश्य से, हम सब एक शरीर के रूप में संपूर्ण हृदय से यह सुन्दर प्रार्थना करते हैं, ''हे हमारी रानी, हे हमारी माता हम सब आपके हैं और जो कुछ भी हमारा है, वह सब आपका ही है।''

आमेन।